भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका

सेवा संवाद

वर्ष-18 अंक-02 | वि. स. 2078 | युगाब्द 5123 | अप्रैल-2022 | डिजिटल संस्करण

मार्गदर्शक :
- डॉ. कृष्णगोपाल
  संस्थापक न्यासी
- श्री ब्रह्मदेवशर्मा 'भाई जी'
  संस्थापक न्यासी
- श्री ओमप्रकाश गोयल
  अध्यक्ष
- श्री राहुल सिंह
  सचिव/प्रबंध न्यासी

सम्पादक :
- डॉ शिवभूषण त्रिपाठी

सह-सम्पादक :
- राजेश

मुद्रक एवं प्रकाशक :
- जितेन्द्र कुमार अग्रवाल

प्रबंधक :
- विजय अग्रवाल

केन्द्रीय कार्यालय :

भाऊराव देवरस सेवा न्यास
सी-91, निराला नगर,
लखनऊ, उ.प्र.-226020
दूरभाष: 0522-4001837,
0522-2789406
मो: 9450020514
E-mail : bdsnyas@yahoo.co.in
web : www.bhaoraonyas.org

दिल्ली कार्यालय :

E-mail: bdsnyas.dl@gmail.com
मो : 9811068375

आलोकः प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के निजी विचार हैं। प्रकाशक एवं सम्पादक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

संरक्षक सहयोग राशि : रु 5000/-

सदस्यता शुल्क : संरक्षक : रु. 5000/- आजीवन : रु. 2000/-

जन्म- 30 जनवरी, 1831 निधन- 8 अप्रैल 1857

'क्रांतिकारी' मंगल पांडे

मातृभूमि रक्षार्थ 'शिव' मंगल का बलिदान।
भूल न पाएगा कभी, भारत देश महान।।
क्रांतिवीर मंगल युवा, अमर रहेगा नाम।
आदर श्रद्धा भाव से, वन्दन नमन प्रणाम।।

सेवा संवाद के संरक्षक एवं आजीवन सदस्य

आपकी पत्रिका सेवा संवाद अब डिजिटल रूप में प्रकाशित करने का निर्णय न्यास द्वारा किया गया है। आप सभी से अनुरोध है कि डिजिटल संस्करण आपको नियमित मिलता रहे, उसके लिए अपना मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी जल्द से जल्द न्यास के ई-मेल आईडी –bdsnyas.dl@gmail.com पर प्रेषित करें।

पाठकों की कलम से - इस कॉलम के लिए पत्रिका के विषय में या भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रकल्पों से सम्बंधित आपके अनुभव व सुझाव आमंत्रित हैं। अपना नाम, पता और मोबाइल भी जरूर दें।

भाऊराव देवरस सेवा न्यास

सहकार निवेदन

पिछले 26 वर्षों में न्यास के सेवा कार्यों में जो उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है, उसमें किसी न किसी रूप में आपका ही स्नेह सहयोग रहा है। न्यास के पास आर्थिक संसाधनों की बहुत कमी है। न्यास द्वारा संचालित सेवा कार्यों का व्याप बढ़ाने के लिए न्यास के आय स्त्रोत को बढ़ाना होगा। न्यास द्वारा प्रस्थापित **कार्पस फण्ड** से प्राप्त होने वाली ब्याज राशि भी इस कार्य में प्रयुक्त होती है। अतः लक्ष्य तक पहुँचने हेतु कार्पस फण्ड भी बढ़ाना होगा। समाज सेवा के क्षेत्र में गौरव को बढ़ाने वाले इस महत कार्य में जन-जन का सहयोग एवं सहकार अपेक्षित है। आप सभी उदारमना सेवाभावी महानुभावों के सहकार से ही यह न्यास सेवारत है।

न्यास के सेवा कार्यों हेतु आप इस प्रकार से सहयोग कर सकते हैं-

1. सचल चिकित्सा सेवा - रु. 11,000 की मासिक धनराशि का सहयोग करके एक सेवा बस्ती में अपनी ओर से निःशुल्क चिकित्सा सुविधा एवं औषधि का वितरण कराना।
2. नेत्र चिकित्सा सेवा - रु. 5000 की धनराशि का सहयोग कर एक मोतियाबिन्द पीड़ित नेत्र रोगी का आपरेशन करवाकर उसे नेत्र ज्योति प्रदान कराना।
3. विकलांग सहायता सेवा - रु. 1,000 से 6,000 तक की राशि दे कर एक विकलांग बन्धु की सहायता में उसके लिए कृत्रिम अंग, उपकरण, बैसाखी, ट्राईसाइकिल, व्हील चेयर आदि की व्यवस्था कराना।
4. कार्पस फण्ड (स्थायी निधि)- रु. 10,000 से अधिक की धनराशि का अर्पण करके न्यास द्वारा संचालित सेवा कार्यों में उत्प्रेरक बनना।
5. छात्रवृत्ति- न्यास द्वारा जरूरतमंद छात्रों को वार्षिक छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है जिसमें आपका सहयोग अपेक्षित है। कक्षा के अनुसार छात्रवृत्ति इस प्रकार है - प्राथमिक : रु 3000, माध्यमिक (जू.हा.) : रु 5,000, हाईस्कूल : रु 7,000, इण्टरमीडिएट : रु 8000, आई.टी.आई/डिप्लोमा एवं स्नातक : रु 10,000, परास्नातक : रु 12,000, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु : रु 15,000, इंजीनियरिंग : रु 18,000 और मेडिकल : रु 20,000।
6. सेवा चेतना (अर्द्धवार्षिक पत्रिका) - रु. 1,200 की आजीवन सदस्यता ग्रहण करके तथा पत्रिका की विज्ञापन दरों के आधार पर अपनी क्षमतानुसार विज्ञापन के रूप में सहयोग करके सहायता करना।
7. सेवा संवाद (मासिक) - रू. 2,000 की आजीवन एवं रु. 5,000 की संरक्षक सदस्यता ग्रहण करके सहयोग करना।
8. माधव सेवा आश्रम - रु. 5,00,000 का दान कर, एक कक्ष के निर्माण के द्वारा अपने किसी सम्बन्धी की स्मृति को स्थायी बनायें।
9. विश्राम सदन दिल्ली - दिल्ली में एम्स के निकट न्यास द्वारा संचालित विश्राम सदन में प्रति बेड के लिए वार्षिक रु. 21,000 की कमी रहती है जिसके लिए सहायता राशि अपेक्षित है। आप एक या अधिक बेड के लिए राशि प्रेषित कर सकते हैं।
10. देवभूमि ऋषिकेश में प्रस्तावित **माधव सेवा विश्राम सदन** के भवन निर्माण हेतू अधिकाधिक सहयोग अपेक्षित है।
11. अक्षय सेवा - दिल्ली में एम्स एवं दो अन्य अस्पतालों के निकट दोपहर में होने वाले भोजन वितरण के लिए रु. 6,000 (प्रतिदिन/प्रति अस्पताल) की सहायता राशि अपेक्षित है। आप एक या अधिक दिनों के लिए राशि प्रेषित कर सकते हैं।
12. CSR फंड - यदि आपकी फर्म CSR में भी दान करती है तो कृपया न्यास से फोन या ईमेल द्वारा सम्पर्क करें।

न्यास को सेवा कार्यों के लिए दिया गया दान आयकर अधिनियम की धारा 80G(5) के अन्तर्गत नियमानुसार करमुक्त है। प्रत्येक दानदाता को अपना पता व पैन बताना अनिवार्य है। साथ ही आपसे अनुरोध है कि आप एक पत्र भी भेजें कि आप यह राशि न्यास को दान के रूप में दे रहे हैं। समाज के सेवा-कार्यों हेतु अनुरोध है कि न्यास को यथा सम्भव अधिकाधिक सहयोग करें। दानराशि भेजने के विभिन्न माध्यम इस प्रकार हैं :

- चेक व ड्राफ्ट द्वारा जो, **भाऊराव देवरस सेवा न्यास** के पक्ष में **लखनऊ या दिल्ली** में देय हो, अपने पैन नं. व पते के साथ भेजें।
- अप्रवासी भारतीय भी FCRA के अन्तर्गत दान दे सकते हैं। उसके लिए फोन या मेल द्वारा सम्पर्क करें।
- दान की राशि आप सीधे न्यास के खाते में भी जमा कर पैन नं., फोन नं. व पते के साथ सूचित कर सकते हैं।
  - बैंक ऑफ इण्डिया, निराला नगर, लखनऊ - खाता सं. 6806100009948 (IFSC : BKID0006806)
  - भारतीय स्टेट बैंक, डालीगंज, लखनऊ - खाता सं. 30448433657 (IFSC : SBIN0003813)
  - बैंक ऑफ इण्डिया, पटपड़गंज, नई दिल्ली - खाता सं. 605810110013350 (IFSC : BKID0006058)

आशा है सेवा के इस पुनीत कार्य में आप सभी अवश्य सहभागी बनेंगे।

अपनी बात

पर्वों, त्योहारों एवं विशेष अवसरों पर जीवन को सुखी और उन्नत बनाने के लिए आत्म शुद्धि और मन में शुभ संकल्पों के साथ आगे बढ़ने की हमारी परम्परा रही है। यजुर्वेद के एक मंत्र में इस प्रकार प्रार्थना की गई है-- "तन्मेमनः शिवसंकल्पमस्तु" अर्थात् मेरे मनों में शुभ संकल्प (अच्छे विचार) जागृत हों। भारतीय नव संवत्सर-2079 शक्ति की पूजा उपासना के सुअवसर पर हमे भी स्वयं की शुद्धि तथा समाज के बीच व्याप्त बुराइयों को दूर करने की दिशा में विचार करने की आवश्यकता है।

आज समाज जीवन में चारित्रिक अवमूल्यन इतना हो गया है कि चारों तरफ अनाचार, दुराचार, व्यभिचार, हत्या, लूट-पाट आदि सर्वत्र संकट ही संकट, समस्याएं ही समस्याएं दृष्टिगोचर हो रहीं हैं। इन समस्याओं के मूल में हमारे अन्दर पलने वाली दुर्भावना अथवा विचार-विकृति ही कारण है। अस्तु अमानवीय दूषित कार्य विचार-विकृति, दुर्भावना अथवा दुष्प्रवृत्तियों को दूर करना होगा इसके लिए हमे अपने मन, शरीर और वाणी- इन तीनों के क्रियाकलापों पर दृष्टि रखनी होगी। मन के व्यापार पर दृष्टि रखते हुए हम यह देखें कि मन में आने वाले विचार-संकल्प कैसे हैं? पवित्र संकल्प हैं कि अपवित्र? अपवित्र विचारों की उपेक्षा करें, उस पर ध्यान न दें। हिंसा और व्यभिचार के त्याग से तथा शरीर स्थिर रखने से शरीर शुद्ध हो जाता है।

वाणी को भी संयम में रखें। मन, शरीर और वाणी का परस्पर घनिष्ठ सम्बन्ध है। तीनों में से एक के भी चंचल होने पर अन्य दोनों चंचल हो जाते हैं। अतः तीनों को स्थिर करने का हम प्रयत्न करें। किसी भी प्रकार व्यर्थ चेष्टा न करें। शरीर को बिना कारण हिलाना-डुलाना, वाणी से व्यर्थ न बोलना, मन से असत् चिन्तन न करना आदि कार्य छोड़ देने से मन स्थिर हो जाता है और फिर हमारे मन में अच्छे विचार उत्पन्न होने लगते हैं। अच्छे विचारों के अनुसार कार्य करने के लिए बहुत सारे कार्य वाणी से बोल कर किए जाते हैं किसी ने कहा है कि-- "जिह्वा में अमृत बसे जो कोइ जाने बोल, विष वासुकि उतरे तभी जिह्वा के इक बोल" अस्तु वाणी की शुद्धि के लिए हमें वाणी दोष और गुणों को ध्यान में रखना उचित होगा। आज्ञा देने के स्वर में बोलना, चिल्लाकर बोलना, अश्लील शब्द बोलना और कटु बोलना--वाणी के ये चार दोष हैं। इसी तरह हितकर बोलना, थोड़ा बोलना (मित भाषण), शान्त रहना, मीठा-मधुर बोलना और प्रिय बोलना वाणी के ये पाँच गुण हैं। दोषों को दूरकर गुणों का विकास करने तथा ईश्वर का नाम लेने से वाणी शुद्ध होती है। दान करने से धन शुद्ध और धारणा-ध्यान से अन्तःकरण शुद्ध होता है।

अप्रैल- 22 में हमारे जितने भी पर्व एवं त्योहार है सब के मूल में सबके कल्याण की सबके सेवा की भावना निहित है। अस्तु हम अपने सभी पर्वो को आनन्द और उत्साह के साथ मनाते हुए चैत्र मास शुक्लपक्ष की वर्ष प्रतिपदा भारतीय नव संवत्सर 2079 का स्वागत करें, इसी दिन डॉ. हेडगेवार (संघ के संस्थापक) का जन्म दिन, महर्षि दयानन्द सरस्वती, आर्य समाज का स्थापना दिवस, संत झूलेलाल का जन्मदिन, ब्रह्मा जी द्वारा सृष्टि की रचना तथा कालगणना का शुभरारम्भ दिवस, शक्ति की उपासना-आराधना दिवस, नवरात्रि का शुभारम्भ आदि सुअवसरों पर हम परस्पर एक दूसरे के कल्याण की कामना करें। इन्हीं शुभकामनाओं के साथ सेवा संवाद का यह अंक आप को समर्पित है।

-शिव

महामना शिक्षण संस्थान बालिका प्रकल्प

प्रकल्प की छात्राओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन :

भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा संचालित महामना शिक्षण संस्थान बालिका प्रकल्प आर्थिक दृष्टि से कमजोर परंतु मेधावी बालिकाओं को इंजीनियरिंग व मेडिकल जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की नि:शुल्क कोचिंग व अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ साथ उनके व्यक्तित्व विकास एवं समय समय पर विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन हेतु प्रयासरत रहता है।

छात्राओं के मार्गदर्शन हेतु उनकी बोर्ड परीक्षाओं से पहले दिनांक 6.03.2022 को प्रकल्प द्वारा एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया... विषय था "the dual stress arising from preparation of competitive exams along with boards" ... वक्ता डा. सृष्टि श्रीवास्तव जी, जो कि एक मनोविज्ञानी व काउंसलर हैं, ने बहुत ही सहज तरीके से विद्यार्थियों को परीक्षाओं से संबंधित तनाव प्रबंधन की तकनीकों से अवगत कराया, साथ ही परीक्षा की तैयारियों से संबंधित उपयोगी सुझाव देते हुए अनुशासित दिनचर्या के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

इसके अतिरिक्त नियमित mentor-mentee meetings द्वारा दोनों बैच की छात्राओं के साथ सम्पर्क व संवाद जारी रहता है।

इस बार हमारा पहला बैच NEET व JEE जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने जा रहा है, जिसके लिए बालिकाओं के साथ साथ प्रकल्प की महिला टीम का प्रत्येक सदस्य अत्यंत उत्साहित है व बालिकाओं को हर तरह का सहयोग देने को तत्पर रहता है।

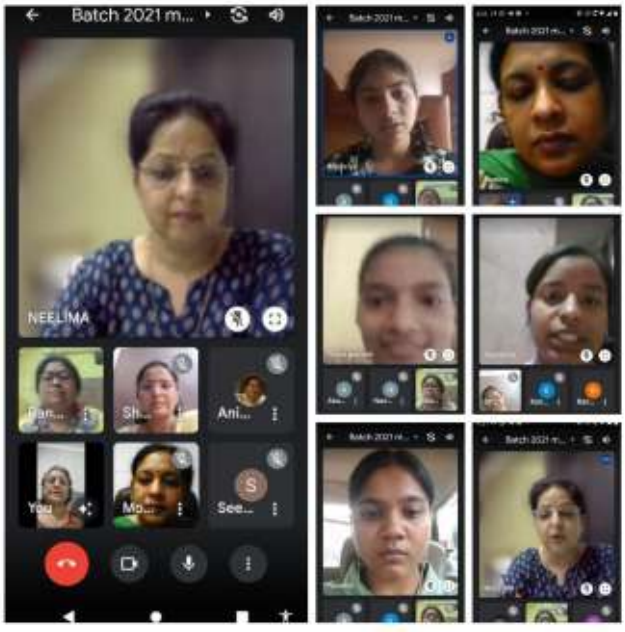

अक्षय सेवा प्रकल्प - दिल्ली

अक्षय सेवा प्रकल्प में 1 मार्च को एम्स अस्पताल के निकट हुए भोजन वितरण के कुछ दृश्य। आज भोजन में विशेष रूप से दही का भी वितरण किया गया जिसे सभी ने बड़े प्रेम से ग्रहण किया।

इस वितरण व्यवस्था को और अधिक स्थानों पर बढाने के योजना है जिसके लिए आप सभी के सहयोग की अपेक्षा है।

आप सभी से पुनः निवेदन है कि इस प्रकल्प की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएं और उनसे आग्रह करें कि परिवार सहित आकर अपने हाथ से भोजन वितरण का आनंद लें और पुण्य प्राप्त करें। यहाँ आकर आप अपने किसी मंगल प्रसंग को भी यादगार बना सकते हैं और अगली पीढी को भी एक अच्छे कार्य की ओर प्रेरित कर सकते हैं।

कुछ ही दिनों में अपने इस प्रकल्प को 5 वर्ष होने वाले हैं। प्रतिदिन 2000 लोगों को भोजन वितरित करते हुए कब हमने 41 लाख का आंकड़ा पार कर लिया पता ही नहीं चला| परन्तु जब प्रकल्प से जुड़े कार्यकर्ताओं को यह जानकारी मिलती है तो उनमें नई ऊर्जा का संचार होता है | प्रकल्प ने यह सफलता आप सभी के स्नेह और आशीर्वाद से ही प्राप्त की है और हमें पूर्ण विश्वास है कि हमारी यह यात्रा अनवरत चलेगी |

हमारे इस प्रकल्प से प्रेरित होकर कई अन्य संगठन भी इस प्रकार का कार्य अपने क्षेत्र में करने की योजना बना रहे हैं।

15 मार्च 2022 को सौभाग्य से दिल्ली के पुलिस कमिश्नर श्री राकेश अस्थाना जी के परिवार के सदस्य अक्षय सेवा प्रकल्प द्वारा चल रहे भोजन वितरण में भाग लेने पहुंचे । इस अवसर पर अक्षय सेवा प्रकल्प के संयोजक और न्यास के कोषाध्यक्ष श्री रामवतार किला जी भी अपने परिवार के साथ उपस्थित थे। इस अवसर पर श्री रामवतार किला जी ने अस्थाना परिवार को अक्षय सेवा प्रकल्प के पाँच वर्ष पूर्ण होने पर अक्षय तृतीया के अवसर पर आने के लिए आमंत्रित भी किया । अस्थाना परिवार का हमारे प्रकल्प पर आने और हमारा हौंसला बढ़ाने के बहुत बहुत धन्यवाद और आभार।

खोला है। समर्थ भारत को इन दोनों छात्राओं पर बहुत गर्व है।

समर्थ भारत

लासपुर, दिल्ली में रजनी दीदी के साथ नवीन
ी प्रियंका कैंप के लिए विद्यार्थियों को जागरूक
रते हुए।

समर्थ भारत के कार्यकर्ताओं ने दिल्ली की सभी Auto यूनियन के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। विषय था कि समर्थभारत के माध्यम से किस प्रकार दिल्ली के 80000 ऑटो चालकों के बच्चों को विभिन्न विधाओं में

भाऊराव देवरस स्मृति सेवा सम्मान

27 वाँ भाऊराव देवरस स्मृति सेवा सम्मान समारोह कार्यक्रम संपन्न

नई दिल्ली के एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में वर्ष 2021-22 के लिए 27वां भाऊराव देवरस स्मृति सम्मान समारोह का भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। न्यास की योजना से इस वर्ष आयोजित होने वाले इस अंतिम कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संघ की अखिल भारतीय कार्यकारिणी के सदस्य व पूर्व मा. सरकार्यवाह श्री भैय्याजी जोशी रहे। सर्वप्रथम उन्होंने मा. भाईजी को याद किया जो स्वास्थ्य के कारण से उपस्थित नहीं थे। उन्होंने समाज सेवा के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार व्यक्त किए। भैय्याजी जोशी ने भाऊराव देवरस जी की जीवनी और उनके साथ के संस्मरण सविस्तार साझा किए। उन्होंने आकर्षक और व्यवस्थित शैली में उन परिस्थितियों का वर्णन किया जो किसी व्यक्ति को सेवा कार्य के लिए प्रेरित करते हैं। भैय्याजी ने न्यास की कार्यशैली और उनकी उपलब्धियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सेवा कार्य परोपकार के लिए नहीं, दूसरों के लिए नहीं वरन अपने लोगों के लिए अर्थात अपने लिए। यह सम्मान भी व्यक्ति का नहीं वरन इस भाव से कि समाज में अभी इस प्रकार के लोग हैं जो समाज के लिए अपना जीवन झोंककर केवल और केवल समाज के प्रति अपने कर्तव्य का पालन कर रहे हैं। उनका सम्मान करना न्यास के लिए आनंद का विषय है और इस कार्यक्रम के माध्यम से उनके कार्यों को समझने का अवसर मिलता है। हम व्यक्तियों का नहीं उनके कार्यों का सम्मान करने के लिए एकत्र आते हैं। इस अवसर पर संघ के मा. सह सरकार्यवाह एवं संस्थापक न्यासी डॉ. कृष्णगोपाल जी भी उपस्थित रहे।

सम्मान स्वरुप शाल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह और अभिनन्दन पत्र के साथ साथ 2 लाख रूपये की विनम्र राशि भी भेंट दी गई।

इस समारोह में सम्मानित गोमुखी सेवा धाम, छत्तीसगढ़ से डॉ देवाशीष मिश्र और विवेकानंद हेल्थ मिशन, उत्तराखंड से डॉ अनुज सिंघल जी की सेवाओं के विषय में अभिनंदन पत्रों का वाचन किया गया। इसमें न्यास के द्वारा सम्मानित चिकित्सकों द्वारा किए गए प्रमुख सेवा कार्यों के आंकड़े प्रस्तुत किए गए। सम्मान प्राप्त करने के लिए डॉ देबासीस देबाशिष मिश्र अपने सह धर्मिणी डॉ सरिता मिश्र और डॉ अनुज सिंघल अपनी सह धर्मिणी डॉ ताराश्री सिंघल के साथ उपस्थित रहे । सम्मान प्राप्त विशिष्ट व्यक्तियों के सम्मान में पूरा सदन, सभा स्थल भाव विभोर हो उठा। डॉ. देवाशीष मिश्र और डॉ. अनुज सिंघल ने अपनी कार्यप्रणाली और प्रेरणा स्त्रोत का उल्लेख किया। डॉ. अनुज सिंघल ने अपनी अशासकीय संस्था और उसके सदस्यों के योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि उन महापुरूषों के योगदान को सम्मानित करने की भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा प्रारम्भ की गई यह परंपरा सराहनीय है।

इस समारोह में स्वागताध्यक्ष श्री आलोक अग्रवाल, न्यास के अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश गोयल, न्यास के सचिव श्री राहुल सिंह, कोषाध्यक्ष श्री रामअवतार किला, सह-सचिव श्री जितेन्द्र अग्रवाल, संरक्षक मंडल के सदस्य डॉ. अनिल जैन और विभिन्न स्थानों से न्यासी मंडल के सदस्य उपस्थित रहे। अभिनन्दन पत्र वाचन श्री राजीव गुगलानी व श्री ऐश्वर्य गोयल ने किया। अंत में राहुल सिंह जी ने समारोह में उपस्थित महानुभावों द्वारा अन्य महत्वपूर्ण कार्यों को छोड़कर कोरोना की विषम परिस्थितियों में भी उपस्थित रहने के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन न्यासी श्री रंजीव तिवारी ने किया।

देवभूमि ऋषिकेश में प्रस्तावित विश्राम सदन

देवभूमि उत्तराखंड में स्थित ऋषिकेश विश्राम सदन में सुदूर पहाड़ी क्षेत्रों से आने वाले रोगियों व उनके सहायकों के लिए अस्पताल के निकट ही विश्राम सदन स्थापित करने की योजना न्यास के कार्यकर्ताओं ने की। इसका प्रमुख कारण है कि यहाँ उपचार के लिए आने वालों को अभी रहने इत्यादि के लिए बहुत अधिक राशि व्यय करनी पड़ती है। विशेषतः आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों के लिए तो यह बहुत ही कष्टकारी हो जाता है। इसी हेतु से न्यास ने वहाँ पर विश्राम सदन की स्थापना का निश्चय किया था। इस प्रस्तावित माधव सेवा विश्राम सदन के नक़्शे की स्वीकृति का कार्य बहुत आगे बढ़ चुका है और जल्द ही स्वीकृति मिलने की संभावना है। तत्पश्चात वहाँ पर भूमि पूजन का विशाल कार्यक्रम किया जाएगा और निर्माण कार्य प्रारम्भ होगा।

उत्साहित दानदाताओं ने CSR फंड के अंतर्गत न्यास के खाते में राशि जमा कराना शुरू कर दिया है। उनका यह कदम न्यास के कार्यकर्ताओं में नवीन उत्साह का संचार करता है। आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि भवन निर्माण का कार्य तीव्र गति से करते हुए हम विश्राम सदन का शीघ्र ही लोकार्पण कर सकेंगे।

देवभूमि ऋषिकेश में बनने वाले माधव सेवा विश्राम सदन की विशेषताएं

- माधव सेवा विश्राम सदन की वास्तुशिल्प संरचना 'पारंपरिक भारतीय स्थापत्य' के आधार पर किए जाने की योजना है। यहाँ उपचार के लिए आने वालों को गंगा माँ के दर्शनों और आशीर्वाद का लाभ भी यहाँ हो सके, इसकी व्यवस्था करने की भी योजना है।

- लगभग 300 लोग स्वच्छ और मनमोहक वातावरण में रह सकें, उपचार में होने वाले कष्ट को भजन कीर्तन, सत्संग एवं ध्यान आदि के माध्यम से कुछ समय के लिए भूल सकें ऐसी व्यवस्था भी रहेगी। पुस्तकालय के साथ साथ कुछ मनोरंजक खेलों की व्यवस्था भी इसी उद्देश्य से की जा रही है। मुख्यतः कुछ बच्चे जो साथ में आ जाते हैं उनके मनोरंजन के लिए आयु के अनुसार खेल इत्यादि की व्यवस्था भी रहेगी।
- प्रातः व सायंकाल में सैर करने के लिए भी उचित स्थान बनाया जाएगा।
- विश्राम सदन के साथ साथ फिसियोथेरेपी और नेचुरोपैथी केन्द्रों की स्थापना की भी योजना है ताकि केंद्र में ठहरने के लिए आने वाले रोगियों को बहुत कम शुल्क में यह व्यवस्थाएं मिल सकें और इसके लिए उन्हें बाहर ना भटकना पड़े।
- उपचार के लिए आने वाले रोगी और उनके सहायक अपनी आखों का परीक्षण करवाकर आवश्यकता अनुसार चश्मे प्राप्त कर सकें ऐसी व्यवस्था भी न्यास की ओर से रहेगी।

आपका सहकार

भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा संघ के द्वितीय सरसंघचालक परमपूजनीय माधव राव जी गोलवलकर की स्मृति में देवभूमि ऋषिकेश में एम्स अस्पताल के निकट माधव सेवा विश्राम सदन की स्थापना प्रस्तावित है। इस सदन का उपयोग साधु संतों, एम्स ऋषिकेश में उपचार के लिए आने वाले रोगियों व उनके सहायकों द्वारा किया जाएगा। यह कार्य आपका अपना ही है, इसे अनुभव करते हुए आपसे विनम्र अनुरोध है कि आप उदार ह्रदय से इस सेवा प्रकल्प हेतु यथा संभव सहयोग करें। आपके द्वारा दी गई राशि 80-G के अंतर्गत छूट प्राप्त है। आप CSR फंड के अंतर्गत भी सहयोग कर सकते हैं। आपका यही सहयोग निर्मित होने वाले इस विश्राम सदन के शीघ्रातिशीघ्र साकार रूप लेने में सहायक होगा।

आपके परिवार में सुख-समृद्धि के लिए शुभकामनाएं।

आर्थिक सहयोग के लिए आवश्यक जानकारी :
MCA में न्यास की CSR पंजीकरण संख्या CSR00004454
80G में न्यास की पंजीकरण संख्या AAATB1049GF20217
न्यास की FCRA पंजीकरण संख्या 136550134

भारतीय स्टेट बैंक, केंद्रीय सचिवालय, नई दिल्ली
A/C: 40692412361
IFSC : SBIN0000625

स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प

स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प के अंतर्गत लखनऊ में 3 बस्तियों- सेवा समर्पण संस्थान बिन्दौवा, 51 शक्ति पीठ बक्शी का तालाब और अम्बेडकर नगर में सप्ताह में एक दिन जाकर अनुभवी चिकित्सकों द्वारा वहां के रोगियों का परीक्षण किया जाता है और फिर निशुल्क दवा वितरण का कार्य किया जाता है। इस कार्य के लिए भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा एक वैन की व्यवस्था की गई है जिसके द्वारा चिकित्सक और उनके सहायक औषधियों के साथ ही उन तय बस्तियों में जाते हैं और चिकित्सा सेवा प्रदान करते हैं।

माधव राव देवड़े स्मृति रूग्ण सेवा केंद्र, निराला नगर, लखनऊ में प्रतिदिन एलोपेथिक और होम्योपैथिक चिकित्सक अपनी सेवाएं देने के लिए आते हैं। इसी प्रकार रूग्ण सेवा केंद्र, माधव सेवा आश्रम में प्रतिदिन होम्योपैथिक चिकित्सक अपनी सेवाएं देते हैं। अनेक वर्षों से यह प्रक्रिया अनवरत चल रही है।

51 शक्तिपीठ पर रोगी का स्वास्थ्य परीक्षण करते डॉ. के. एस. श्रीवास्तव।

माधवराव देवड़े रुग्ण सेवा केन्द्र पर रोगी का परीक्षण करते डॉ. विशाल केसरवानी।

सेवा समर्पण संस्थान विन्दौआ में अपना पंजीकरण कराते रोगी।

पावन स्मृति - मार्च

पुण्य भूमि भारत में जन्म लेकर जिन्होंने जीवन पर्यन्त मानव की सेवा की और मानवता की रक्षा में अपना सर्वस्य समर्पित कर कीर्तिमान स्थापित किया,अपने बहुआयामी कार्यों द्वारा जीवन के विविध क्षेत्रों में आलोक स्तम्भ बनकर हमारा मार्गदर्शन किया तथा जो आज भी हमारे प्रेरणा स्त्रोत हैं ऐसे उन सभी दिव्य महापुरूषों की पावन स्मृति में श्रद्धा सुमन समर्पित हैं-

दिनांक	दिवस	महापुरूष/घटना का नाम
3 मार्च	पुण्य-तिथि	स्वतंत्रता सेनानी: लाला हरदयाल
3 मार्च	जन्म-दिवस	कारगिल युद्ध का सूरमा : संजय कुमार
8 मार्च	जन्म-दिवस	महान विट्ठलभक्त: सन्त तुकाराम
11 मार्च	जन्म-दिवस	सिन्धु का क्रान्तिवीर: हेमू कालाणी
11 मार्च	बलिदान-दिवस	सम्भाजी का हिन्दुत्व के लिए बलिदान
21 मार्च	जन्म-तिथि	विश्वविख्यात खगोलशास्त्री: आर्यभट
21 मार्च	जन्म-तिथि	विश्वनाथ के आराधक: बिस्मिल्ला खाँ
23 मार्च	बलिदान -दिवस	भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव का अमर बलिदान
23 मार्च	जन्म-दिवस	कृष्ण प्रेम में दीवानी: मीराबाई
25 मार्च	बलिदान -दिवस	गणेश शंकर विद्यार्थी का बलिदान
29 मार्च	पुण्य-तिथि	सेवा और समर्पण के अनुपम साधक: गुरु अंगद देव
30 मार्च	जन्म-दिवस	आदर्श कार्यकर्ता: अप्पा जी जोशी

कीर्तिशेष शिवकुमार पारीक

इस असार संसार में कुछ भी स्थिर नहीं है। सब कुछ चलायमान है। जन्म-मृत्यु यह सब प्रकृति की लीला है। जिसने धरती पर जन्म लिया है। उसे एक दिन इस नश्वर शरीर को त्यागना ही है। यही महाकाल का नियम है, तथापि व्यक्ति का यश: शरीर उसके उत्तम कार्य सूक्ष्म रूप में सृष्टि के अन्त तक विद्यमान रहते हैं।

83 वर्षीय श्री शिवकुमार पारीक एक उच्च शिक्षित गृहस्थ थे। 1968 से पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेयी जी के निजी सचिव के रूप में उनके साथी बन कर जीवन पर्यन्त उतार-चढ़ाव, सुख-दु:ख के समय साथ रहे। उनका सहज सरल एवं प्रभावशाली व्यक्तित्व रहा। बड़ी-बड़ी मूछें रखने के कारण वे मूछों वाले भाई साहब के नाम से जाने जाते रहे। जयपुर के रहने वाले पारीक जी जनसंघ के समय से ही बड़े लोकप्रिय रहे। लखनऊ रहकर मा. अटल जी के संसदीय कार्यक्षेत्र का कार्य संभालते हुए 21 मार्च 1999 से 14 नवम्बर 2019 तक भाऊराव देवरस सेवा न्यास के न्यासी तथा तत्पश्चात् विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में न्यास को अपनी सेवाएं देते रहे। 5 मार्च 2022 को दिल्ली में उपचार के मध्य उनके प्राण पखेरू उड़ गए। उनका पार्थिव शरीर पंचतत्व में विलीन हो गया। अंतिम संस्कार उनके पैतृक स्थान जयपुर में दोनों बेटों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

श्री शिवकुमार जी के निधन से न केवल भाऊराव देवरस सेवा न्यास परिवार और संघ परिवार दु:खी है, अपितु दिल्ली, जयपुर एवं भारत के कोने-कोने में स्थित उनके जानने वाले सभी दु:खी हैं। हम सभी उनकी दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने के लिए परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करते हुए उनके प्रति विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

सम्पादक
सेवा संवाद एवं न्यास परिवार

।।ॐ शांति: शांति: शांति: ।।

कृष्ण भक्त मीराबाई (1498-1546)

मीराबाई का जन्म सन 1498 ई॰ में पाली के कुड़की गांव में दूदा जी के चौथे पुत्र रतन सिंह के घर हुआ। ये बचपन से ही कृष्णभक्ति में रुचि लेने लगी थीं। मीरा का विवाह मेवाड़ के सिसोदिया राज परिवार में हुआ। उदयपुर के महाराजा भोजराज इनके पति थे जो मेवाड़ के महाराणा सांगा के पुत्र थे। विवाह के कुछ समय बाद ही उनके पति का देहान्त हो गया। पति की मृत्यु के बाद उन्हें पति के साथ सती करने का प्रयास किया गया, किन्तु मीरा इसके लिए तैयार नहीं हुईं। पति की मृत्यु पर भी मीरा ने अपना श्रृंगार नहीं उतारा, क्योंकि वह गिरधर को अपना पति मानती थीं। वे विरक्त हो गई और साधु-संतों की संगति में हरिकीर्तन करते हुए अपना समय व्यतीत करने लगीं। ये मंदिरों में जाकर वहाँ मौजूद कृष्णभक्तों के सामने कृष्णजी की मूर्ति के आगे नाचती रहती थीं। संत रविदास उनके गुरु थे। मीराबाई का कृष्णभक्ति में नाचना और गाना राज परिवार को अच्छा नहीं लगा। उन्होंने कई बार मीराबाई को विष देकर मारने की कोशिश की। मीरा का रहस्यवाद और भक्ति की निर्गुण मिश्रित सगुण पद्धति सर्वमान्य बनी। आज भी लोग श्रध्दा भक्ति और आदर के साथ मीराबाई के भजनों का गायन करते हैं।

लाला हरदयाल

लाला हरदयाल का जन्म 14 अक्टूबर 1884 को दिल्ली में हुआ था। जीवन के शुरुआती दिनों में ही उन पर आर्य समाज का काफी प्रभाव पड़ा। साथ ही वे भीकाजी कामा, श्याम कृष्ण वर्मा और विनायक दामोदर सावरकर से भी जुड़े हुए थे। उन्होंने प्रसिद्ध अखबारों के लिए कठोर लेख लिखना शुरू किया तो ब्रिटिश सरकार ने उनके कठोर लेखों को देखते हुए उन पर प्रतिबंध लगाया। तब लाला लाजपत राय ने उन्हें भारत छोड़कर विदेश चले जाने की सलाह दी।

1910 में हरदयाल सेन फ्रांसिस्को (अमेरिका) पहुचे। वहां उन्होंने भारत से गये मजदूरों को संगठित किया, "गदर" नामक पत्र निकाला और इसी के आधार पर पार्टी का नाम भी "गदर पार्टी" रखा। प्रथम विश्वयुद्ध आरम्भ होने पर लाला हरदयाल ने भारत में सशस्त्र क्रान्ति को प्रोत्साहित करने के लिए कदम उठाया।

लंदन में लाला हरदयाल जी भाई परमानन्द, श्याम कृष्ण वर्मा आदि के सम्पर्क में आए। उन्होंने श्याम कृष्ण वर्मा के सहयोग से 'पॉलिटिकल मिशनरी' नाम की एक संस्था बनाई। इसके द्वारा भारतीय विद्यार्थियों को राष्ट्र की मुख्यधारा में लाने का प्रयत्न करते रहे। दो वर्ष बाद वे भारत वापस आ गए।

हरदयाल जी लाहौर पहुँचे और 'पंजाब' नामक अंग्रेज़ी पत्र के सम्पादक बन गए। उनका प्रभाव बढ़ता देखकर सरकारी हल्कों में जब उनकी गिरफ़्तारी की चर्चा होने लगी तो लाला लाजपत राय ने आग्रह करके उन्हें विदेश भेज दिया। वे पेरिस पहुँचे। श्याम कृष्ण वर्मा और भीकाजी कामा वहाँ पहले से ही थे। लाला हरदयाल ने वहाँ जाकर **'वन्दे मातरम्'** और **'तलवार'** नामक पत्रों का सम्पादन किया। 1910 ई में हरदयाल सेन फ़्राँसिस्को, अमेरिका पहुँचे।

भारत के प्रति अपनी निष्ठा और भक्ति के कारण वे मरकर भी अमर हो गए।

महान गणितज्ञ आर्यभट (476-550)

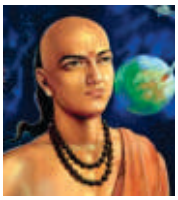

आर्यभट प्राचीन भारत के एक महान ज्योतिषविद् और गणितज्ञ थे। इन्होंने आर्यभटीय ग्रंथ की रचना की जिसमें ज्योतिषशास्त्र के अनेक सिद्धांतों का प्रतिपादन है।

आर्यभट द्वारा रचित तीन ग्रंथों की जानकारी आज भी उपलब्ध है। दशगीतिका, आर्यभटीय और तंत्र। लेकिन जानकारों के अनुसार उन्होनें और एक ग्रंथ लिखा था- आर्यभट सिद्धांत। इस समय उसके केवल 34 श्लोक ही उपलब्ध हैं। उनके इस ग्रंथ का सातवें शतक में व्यापक उपयोग होता था।

उन्होनें **आर्यभटीय** नामक महत्वपूर्ण ज्योतिष ग्रन्थ लिखा, जिसमें वर्गमूल, घनमूल, समान्तर श्रेणी तथा विभिन्न प्रकार के समीकरणों का वर्णन है। उन्होंने अपने आर्यभटीय नामक ग्रन्थ में कुल 3 पृष्ठों के समा सकने वाले 33 श्लोकों में गणित विषयक सिद्धान्त तथा 5 पृष्ठों में 75 श्लोकों में खगोल-विज्ञान विषयक सिद्धान्त तथा इसके लिये यन्त्रों का भी निरूपण किया। आर्यभट ने अपने इस छोटे से ग्रन्थ में अपने से पूर्ववर्तीत या पश्चाद्वर्ती देश के तथा विदेश के सिद्धान्तों के लिये भी क्रान्तिकारी अवधारणाएँ उपस्थित कीं। आज भी आर्यभट के ज्ञान और उनके सिद्धांत का विश्व के लिए महत्वपूर्ण योगदान है।

विभिन्न विश्राम सदनों में फरवरी - 2022 की उपस्थिति

क्र.स.	राज्य/देश	माधव सेवा आश्रम, लखनऊ	KGMU, लखनऊ	विश्राम सदन, दिल्ली	IGIMS, पटना	एम्स, झज्जर
1	जम्मू कश्मीर			6		6
2	हिमाचल प्रदेश			6		
3	पंजाब				3	2
4	हरियाणा			10		114
5	दिल्ली	9		20	6	59
6	उत्तराखंड	1		8		5
7	उत्तर प्रदेश	1457	716	155		140
8	बिहार	611	29	166	1445	25
9	झारखण्ड	41	4	14	27	
10	सिक्किम					
11	नागालैंड				3	
12	असम	14		8		
13	मणिपुर /मिजोरम					1
14	अरुणाचल प्रदेश					2
15	त्रिपुरा					
16	मेघालय					
17	प. बंगाल	15		1	7	1
18	ओडिशा/अंदमान	9		5		2
19	आंध्रप्रदेश/तेलंगाना			2		
20	तमिलनाडु /पुदुच्चेरी					
21	कर्नाटक					1
22	केरल			3		
23	महाराष्ट्र /गोवा	4	2			
24	मध्य प्रदेश	54	2	51		8
25	छत्तीसगढ़	11				
26	गुजरात			3		
27	राजस्थान			37		11
28	अन्य	4				
	पड़ोसी देश					
29	नेपाल	8		11	12	
30	बांग्लादेश					
31	अन्य देश					
	योग (इस मास)	2238	753	500	1503	376
	योग (अप्रैल 2021 - फरवरी 2022)	23065	6635	4076	11100	1624
	एक दिन की औसत उपस्थिति	364	122	165	176	180

स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प - लखनऊ

लखनऊ और उसके आस पास दी जाने वाली चिकित्सा सेवाओं का विवरण

सेवा बस्ती में स्वास्थ्य केन्द्र	फरवरी	योग अप्रैल - फरवरी 2022
(सेवा समर्पण संस्थान - बिन्दौवा)	187	1361
(51 शक्तिपीठ, बक्शी का तालाब)	21	187
अम्बेडकर नगर	39	255
माधवराव देवड़े स्मृति रूग्ण सेवा केन्द्र, निराला नगर		
एलोपैथिक	311	2871
होम्योपैथिक	252	2554
रूग्ण सेवा केन्द्र, माधव सेवा आश्रम - होम्योपैथ	240	2308
कुल लाभान्वित रोगी	**1050**	**9536**

देवड़े नेत्र चिकित्सालय

चिकित्सालय में दी गई सेवाएँ

	फरवरी	योग अप्रैल - फरवरी 2022
नेत्र परीक्षण	502	3518
चश्मा वितरण	239	2209
मोतियाबिंद ऑपरेशन	50	94
पैथोलॉजी	52	176

आलोक : नेत्र एवं पैथोलॉजी जांच केवल 20 रूपए के पंजीकरण शुल्क में उपलब्ध है।

आप भी लिखें :- सेवा संवाद के आप सुधी पाठक हैं, आपके विचार, सुझाव हमारे लिए सदैव प्रेरणादायी रहे हैं। सेवा सम्बन्धी आलेख (चित्र सहित), सेवा के प्रेरक प्रसंग, सेवा कार्य के उल्लेखनीय व्यक्तित्व, सेवा संस्थानों का परिचय एवं उनके कार्य, सेवा को प्रोत्साहित करने वाली घटनाएं सुझाव आदि सामग्री तथा सेवा संवाद के प्रकाशित अंकों पर आप अपनी प्रतिक्रिया प्रेषित कर हमारा मार्गदर्शन, सहयोग करने का कष्ट करें- सम्पादक।

भाऊराव देवरस सेवा न्यास के प्रकल्प

प्रकल्प का नाम	सम्पर्क सूत्र	दूरभाष
स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प, लखनऊ	श्री ओ.पी. श्रीवास्तव	9839785395
माधव सेवा आश्रम, लखनऊ	श्री शरद जैन	9670077777
महामना शिक्षण संस्थान, लखनऊ	श्री रंजीव तिवारी	9731525522
महामना शिक्षण संस्थान बालिका प्रकल्प, लखनऊ	श्रीमती अर्चना दीक्षित	9821483861
सामाजिक विज्ञान एवं प्रशिक्षण संस्थान, लखनऊ	डॉ हरमेश चौहान	9450930087
विश्राम सदन, के.जी.एम.यू., लखनऊ	श्री जितेन्द्र कुमार अग्रवाल	9415003111
देवड़े नेत्र चिकित्सालय, लखनऊ	श्री राजेश	9793120738
सेवा संवाद (मासिक), लखनऊ	डॉ शिवभूषण त्रिपाठी	9451176775
सेवा चेतना (अर्द्धवार्षिक), लखनऊ	डॉ विजय कर्ण	8887671004
विश्राम सदन, एम्स, दिल्ली	श्री राजीव गुगलानी	9810262200
अक्षय सेवा, दिल्ली	श्री रामअवतार किला	9811052464
समर्थ भारत, दिल्ली	श्री शोनाल गुप्ता	9811190016
भारतीय संस्कृति अध्ययन केन्द्र, दिल्ली	श्री गौरव गर्ग	9918532007
विश्राम सदन, आई.जी.आई.एम.एस., पटना	श्री नागेन्द्र प्रसाद सिंह	9431114457
विश्राम सदन, एम्स, झज्जर (हरियाणा)	श्री विकास कपूर	9818098600
माधव सेवा विश्राम सदन, ऋषिकेश	श्री संजय गर्ग	9837042952

मुद्रक एवं प्रकाशक : श्री जितेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा भाऊराव देवरस सेवा न्यास सी-91, निराला नगर, लखनऊ-226020 के लिए नूतन ऑफसेट मुद्रण केंद्र, संस्कृति भवन, राजेन्द्र नगर, लखनऊ-226002 से मुद्रित, भाऊराव देवरस सेवा न्यास, सी-91, निराला नगर, लखनऊ-262020 से प्रकाशित - सम्पादक : डॉ शिवभूषण त्रिपाठी